G20
भारत 2023 INDIA

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' जी
की 115वीं जयंती के सुअवसर पर

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

विज्ञान भवन, नई दिल्ली

20-21 सितम्बर, 2023

राष्ट्रकवि दिनकर : हिंदी और राष्ट्रवाद

विश्व हिन्दी परिषद
हिन्दी भाषा विश्व भाषा
वसुधैव कुटुम्बकम्

विश्व हिन्दी परिषद

एस-32, प्रथम तल, उपहार सिनेमा व्यवसाय परिसर, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली- 110016
फ़ोन- 011-35940037, 8586016348, 8130035351
ई-मेल - vishwahindiparishadoffice@gmail.com
वेबसाइट www.vishwahindiparishad.org
vishwahindiparishad
+91- 8586016348

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के सन्दर्भ में

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' जी की 115वीं जयंती के शुभ अवसर पर वैश्विक स्तर पर "अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन" का भव्य आयोजन विश्व हिंदी परिषद 22- 23 सितम्बर, 2023 को करने जा रही है। उनकी लोकप्रियता का आलम यह था कि सड़क से लेकर संसद तक उनकी बात सुनी जाती थी। भारत के जिस 'राष्ट्रवाद' का बिगुल आज पूरे विश्व में बज रहा है, दिनकर जी ही उस राष्ट्रवाद की आधारशिला हैं।' उनकी कविता के केंद्र में राष्ट्रहित है। राष्ट्रकवि' दिनकर का राष्ट्रवाद भारत के नवनिर्माण का आधार है; मानवीय जिजीविषा का अक्षय स्रोत है। उनका राष्ट्रवाद हिंदी भाषा, हिंदी समाज की उन्नति के बिना अधूरा है। राष्ट्रकवि दिनकर का रचना संसार इसका साक्षात प्रमाण है। आधुनिकता को वे इन्हीं बिंदुओं पर परखते हैं। आज हम दिनकर को इस वैश्विक मंच के माध्यम से पुनः याद करने का प्रयास कर रहे हैं। विश्व हिंदी परिषद द्वारा राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की 115वीं जयंती के शुभ अवसर पर आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य आज के समय में वाद, संवाद और सन्देश के साथ 'हिन्दी और राष्ट्रवाद के सन्दर्भ में रामधारी सिंह 'दिनकर' को वैश्विक परिदृश्य में अवलोकित करने का विनम्र प्रयास है।

ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण बिंदु

- संयुक्त आलेख / शोधपत्र होने की स्थिति में अलग-अलग पंजीकरण कराना आवश्यक होगा।
- चयनित प्रतिभागियों को ही आलेख / शोधपत्र वाचन की अनुमति दी जाएगी।
- लेखक / सह-लेखक का संक्षिप्त परिचय संपर्क का पता (100 शब्दों में) तथा दूरभाष नम्बर और ई-मेल आई.डी.
- प्रथम पृष्ठः आलेख का शीर्षक, लेखक / सह-लेखक का नाम, संपर्क का पता (100 शब्दों में) तथा दूरभाष नम्बर और ई-मेल आई.डी. का उल्लेख करें
- आलेख / प्रपत्र केवल एम.एस. वर्ड फाइल के रूप में भेजें साथ में पी. डी. एफ फाइल भी भिजवाना बेहतर होगा।
- फोण्ट यूनिकोड / मंगल (हिन्दी) तथा टाइम्स न्यू रोमन (अंग्रेजी) / बीज शब्दः 4-5
- फोण्ट साइज: 12pt / हाशिया सीमा: 1.5 cm. (चारों तरफ) / पंक्तियों के मध्य अंतरालः 1.5
- पृष्ठ संख्याः पृष्ठ के निचले हिस्से में दायीं तरफ दें
- तालिका और आवृत्ति आदि के शीर्षक का जिक्र उनके नीचे संख्या और स्रोत के साथ करें
- सन्दर्भः APA छठा संस्करण प्रारूप (हिन्दी तथा अंग्रेज़ी दोनों)
- आलेख / शोधपत्र इत्यादि vhphelpdeskmail2023@gmail.com, sodhpatravhp.as2023@gmail.com ई-मेल पर भेजें।

शोध सारांश और आलेख हेतु अनिवार्य प्रारूप

शोध सारांश की अधिकतम शब्द सीमा	350 शब्द
शोध सारांश भेजने की अंतिम तिथि	05 सितम्बर, 2023
शोध सारांश स्वीकृति की तिथि	05 सितम्बर, 2023
पूर्ण शोधपत्र की अधिकतम शब्द सीमा	3500 शब्द
आलेख की अधिकतम शब्द सीमा	1000-1200 शब्द
पूर्ण शोधपत्र / आलेख भेजने की अंतिम तिथि	10 सितम्बर, 2023
पूर्ण शोधपत्र / आलेख स्वीकृति की तिथि	10 सितम्बर, 2023

आलेख / शोधपत्र आमंत्रण

सम्मेलन के लिए मौलिक और अप्रकाशित आलेख / शोधपत्र हिंदी तथा अंग्रेजी भाषा में आमंत्रित हैं। इच्छुक प्रतिभागियों से यह निवेदन है कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' जी की 115वीं वर्षगांठ पर अपनी मूल्यवान लिपिबद्ध स्मृतियाँ अवश्य साझा करें। इस सम्मेलन में हर इच्छुक व्यक्ति भागीदारी कर सकता है। इसमें पेशे, कार्य, विचारधारा, व्यवसाय, क्षेत्र, भाषा और विषय इत्यादि किसी भी प्रकार की कोई भी पाबंदी नहीं है। मुख्य विषय और उप विषयों के अतिरिक्त अन्य संदर्भित आयामों पर भी आलेख भेजे जा सकते हैं। स्तरीय आलेखों को ISBN नम्बर युक्त प्रतिष्ठित राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशनों में प्रकाशित करवाने की योजना है। आलेख / शोधपत्र वाचन एवं पुस्तक में प्रकाशन के संदर्भ में विशेषज्ञ समिति का निर्णय अंतिम और मान्य होगा जो आलेख / शोधपत्र की उत्कृष्टता एवं गुणवत्ता पर निर्भर होगा।

स्मारिका का प्रकाशन

दो दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर एक स्मारिका भी प्रकाशित करने की योजना है। स्मारिका में राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के विभिन्न उपयोगी आलेख और हिंदी साहित्य तथा राजभाषा हिंदी से संबंधित महत्वपूर्ण सामग्री प्रकाशित की जाएगी। इस स्मारिका में संस्थाओं / प्रतिष्ठानों का सचित्र परिचयात्मक लेख भी प्रकाशित किया जा सकता है ताकि उनके बारे में सभी को जानकारी मिल सके। यह स्मारिका अपने आप में एक उपयोगी ज्ञानप्रद और आकर्षक माध्यम के रूप में व्यापक रूप से प्रचारित-प्रसारित की जाएगी, ताकि अधिक से अधिक हाथों मे इसे पहुँचाया जा सके।

कतिपय उप विषय

क्र.सं.	उप विषय
1	दिनकर और राष्ट्रभाषा हिन्दी
2	दिनकर : हिन्दी और राष्ट्रवाद
3	राष्ट्रकवि दिनकर और वैश्विक चिंतन
4	ओज के कवि : दिनकर
5	अपने समय के सूर्य : दिनकर
6	रामधारी सिंह 'दिनकर'
7	जनता के सिंहासन के कवि दिनकर
8	राजनीति के आगे की मशाल दिनकर
9	दिनकर का सामाजिक चिंतन
10	वीर और श्रृंगार-रस का अनोखा मेल : दिनकर
11	आधुनिकता और परम्परा के सन्दर्भ में दिनकर की राष्ट्रवादी कविताएँ
12	दिनकर पर गाँधी का प्रभाव
13	युद्ध और शांति का विकट संतुलन : दिनकर
14	दिनकर के सम्पूर्ण साहित्य में राष्ट्रीय चेतना
15	मानववाद और दिनकर
16	भारत के नव-निर्माण में दिनकर के साहित्य का योग
17	मानवीय जिजीविषा और दिनकर
18	दिनकर : विभिन्न विचार
19	दिनकर और स्वाधीनता आन्दोलन के आदर्श
20	दिनकर के धर्म संबंधी विचार
21	बहुमुखी तथा बहुआयामी दिनकर
22	दिनकर के पहले और दिनकर के बाद का हिन्दी राष्ट्रवादी काव्य
23	दिनकर का काव्य और शुद्ध कविता बनाम राष्ट्रीय कविता
24	हिन्दी नवजागरण और दिनकर
25	दिनकर और शिक्षा
26	दिनकर का दार्शनिक चिंतन
27	दिनकर का राजनीतिक चिंतन
28	दिनकर की विदेश नीति

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के सन्दर्भ में

सम्मेलन के लिए मौलिक और अप्रकाशित आलेख / शोधपत्र हिंदी तथा अंग्रेजी भाषा में आमंत्रित हैं। इच्छुक प्रतिभागियों से यह निवेदन है कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' जी की 115वीं वर्षगांठ पर अपनी मूल्यवान लिपिबद्ध स्मृतियाँ अवश्य साझा करें। इस सम्मेलन में हर इच्छुक व्यक्ति भागीदारी कर सकता है। इसमें पेशा , कार्य, विचारधारा, व्यवसाय, क्षेत्र, भाषा और विषय आदि किसी भी प्रकार की कोई भी पाबंदी नहीं है। मुख्य विषय और उप विषयों के अतिरिक्त अन्य संदर्भित आयामों पर भी आलेख भेजे जा सकते हैं। स्तरीय आलेखों को ISBN नम्बर युक्त प्रतिष्ठित राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशनों में प्रकाशित करवाने की योजना है। आलेख / शोधपत्र वाचन एवं पुस्तक में प्रकाशन के संदर्भ में विशेषज्ञ समिति का निर्णय अंतिम और मान्य होगा जो आलेख / शोधपत्र की उत्कृष्टता एवं गुणवत्ता पर निर्भर होगा।

क्र. सं.	सरकारी / गैर सरकारी संस्थान द्वारा मनोनीत प्रतिभागी	व्यक्तिगत प्रतिभागी	विदेशी प्रतिभागी
1	मंत्रालयों/ सरकारी विभागों / उपक्रमों आदि द्वारा मनोनीत के लिए : 10,000/- रु. प्रति प्रतिभागी	शिक्षकों के लिए : 2000 /- रु. प्रति प्रतिभागी	विदेशियों के लिए : 500 /- डॉलर प्रति प्रतिभागी
2	शिक्षण संस्थाओं / महाविद्यालयों इत्यादि द्वारा मनोनीत के लिए: 5,000/- रु. प्रति प्रतिभागी	पत्रकारों / साहित्यकारों / सामाजिक कार्यकर्ताओं इत्यादि के लिए : 1500/- रु. प्रति प्रतिभागी शोधार्थियों के लिए : 1200 /- रु. प्रति प्रतिभागी विद्यार्थियों के लिए : 1000/- रु. प्रति प्रतिभागी	दक्षिण एशियाई देशो के प्रतिभागियों के लिए : 10000 / - भारतीय रु. प्रति प्रतिभागी

इस शुल्क में सत्र के दौरान चाय, नाश्ता, दोपहर का भोजन, सम्मेलन से संबद्ध सामग्री, पैन / पैड / बैग / फोल्डर इत्यादि शामिल हैं।

www.vishwahindiparishad.org पर जाकर ऑनलाइन या NEFT/RTGS अथवा विश्व हिंदी परिषद के नाम नई दिल्ली में देय के साथ प्रतिभागिता/पंजीकरण शुल्क का भुगतान हमारी वेबसाईट बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से किया जा सकता है। भुगतान संबंधी रसीद प्रपत्र साथ vhphelpdeskmail2023@gmail.com,पर मेल करें और इसकी मूल प्रति संगोष्ठी के दिन अपने साथ अवश्य लाएँ।

विश्व हिंदी परिषद का बैंक विवरण (NEFT/RTGS के लिए)

खाताधारक का नाम	:	Vishwa Hindi Parishad
खाता संख्या	:	007105011173
बैंक का नाम	:	ICICI BANK
शाखा का नाम	:	Green Park
IFSC Code	:	ICIC0000071
MICR Code	:	110016022

सम्मान एवं पुरस्कार

विश्व हिन्दी परिषद की परिपाटी हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं को सम्मानित व पुरस्कृत करने की रही है । ये पुरस्कार उच्च स्तरीय मूल्यांकन समिति की सिफारिशों के आधार पर दिए जाते हैं। पूर्व के आयोजनों में भी परिषद द्वारा साहित्य एवं गैर साहित्यिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले संस्थानों / व्यक्तियों को भारत सरकार के मंत्रीगण के करकमलों से सम्मानित किया जाता रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भी हिंदी साहित्य तथा राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं / कार्यालयों को सम्मानित/ पुरस्कृत करने की योजना है:-

1. श्रेष्ठ 21 शोध-पत्र / आलेख प्रस्तुतियों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा
2. राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी तथा साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए क्रमशः 51 व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा।
3. भारत सरकार की राजभाषा नीति के श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए पुरस्कार (इसके लिए सरकारी कार्यालयों/उपक्रमों इत्यादि को निर्धारित प्रपत्र में आवेदन करना होगा और साथ में विश्व हिंदी परिषद के पक्ष में 5000/ का प्रविष्टि शुल्क जमा करना होगा। मूल्यांकन के आधार पर श्रेष्ठ पाए जाने वाले कार्यालयों/उपक्रमों इत्यादि को पुरस्कृत किया जाएगा।
4. पुरस्कारों के निर्धारण में मूल्यांकन समिति का निर्णय अंतिम और मान्य होगा।

आयोजन समिति (आयोजक के सन्दर्भ में)

विश्व हिन्दी परिषद लोकमंगल और सर्वकल्याण की भावना से अनुप्राणित हिन्दी भाषा के साधकों को प्रोत्साहित कर, भाषा के उन्नयन और अविरल गति से चलने के प्रयास में जुटी अपने प्रयोजन और उद्देश्य को पूरा कर रही है। हिन्दी प्रचार-प्रसार की सेवा में तत्पर कश्मीर से कन्याकुमारी तक के साहित्यकारों, पत्रकारों, प्राध्यापकों, शिक्षकों, हिन्दी अधिकारियों, स्वयंसेवियों एवं कर्मचारियों तथा हिन्दी प्रेमी जनता को एक मंच पर एकत्रित करके उन्हें अनुप्रेरित करते हुए यह संस्था विगत दो दशकों से अपनी कर्मठ भूमिका निभा रही है।

इसका उद्देश्य समाज - सापेक्ष, व्यावहारिक, प्रकार्यात्मक, सरल एवं सुबोध तथा क्षेत्रीय भाषाओं के शब्दों को लेकर जीवंत हिन्दी बनाना है क्योंकि मातृभाषा, क्षेत्रीय भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा और अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी की बहुआयामी भूमिका है। यह हिन्दी प्रेमी विद्वानों एवं चिंतकों को संगठित करके समय-समय पर हिन्दी भाषा एवं साहित्य के प्रति उनके कर्तव्य को याद दिलाती है और उनमें दायित्व बोध को जागृत कराती है। इसके द्वारा हिन्दी की सेवा में तत्पर हिन्दी प्रेमियों को बढ़ावा देने एवं उनके योगदान को सराहने के लिए हर वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है। विश्व हिन्दी परिषद का मुख पत्र 'विश्व हिन्दी' पत्रिका के माध्यम से विविध विषयों पर हिन्दी में विचारोत्तेजक लेखों का प्रकाशन भी करती है और युवाओं तथा नव प्रतिभाओं को आत्माभिव्यक्ति का व्यापक मंच भी प्रदान करती है। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं, सामाजिक-सांस्कृतिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से हिन्दी भाषा का वैश्विक विस्तार करना ही विश्व हिंदी परिषद का मुख्य ध्येय है।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2019

श्रीमती मृदुला सिन्हा जी,
महामहिम राज्यपाल, गोवा

श्रद्धेय श्रीमान इंद्रेश कुमार जी,
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य

श्रीमान अर्जुन राम मेघवाल जी
माननीय मंत्री,
भारी उद्योग एवं लोक उद्यम,
संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

श्रीमान डॉ. जितेन्द्र सिंह जी,
माननीय मंत्री,
प्रधानमंत्री कार्यालय, भारत सरकार

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रीय
ख्याति प्राप्त गायिका सुश्री मैथिली ठाकुर
अपनी प्रस्तुति देते हुए

श्रीमान जनरल वी. के. सिंह जी,
माननीय मंत्री,
केन्द्रीय सडक परिवहन और
राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार

देश के विभिन्न राज्यों के भिन्न-भिन्न विश्वविद्यालयों के विद्वान शिक्षकों एवं प्रतिभागियों का सम्मान

सम्मेलन स्थल के निकट प्रमुख दर्शनीय स्थल

विज्ञान भवन के निकट राष्ट्रपति भवन, इंडिया गेट, नेशनल जूलॉजिकल पार्क, भारतीय संसद भवन और उसके भी आगे साउथ रिज फारेस्ट जैसे दर्शनीय एवं मनोहारी स्थल हैं, जहाँ ऐतिहासिक वास्तु-कला से लेकर प्राकृतिक सुषमा तक का निदर्शन किया जा सकता है। सम्मेलन स्थल से राजीव चौक मेट्रो स्टेशन की तरफ़ कनॉट प्लेस है। यहाँ घूमने और देखने के स्थान चाहे ऐतिहासिक हों या धार्मिक चाहे शॉपिंग के हों या खाने-पीने और मौजमस्ती के लिए, किसी की भी वहाँ कमी नहीं है, कनॉट प्लेस में आपको सब कुछ मिल जाएगा। कनॉट प्लेस के ऐतिहासिक स्थलों में 'जंतर-मंतर' और 'अग्रसेन की बावली' प्रमुख हैं। कई फिल्मों में दिखाई देने के कारण यह युवाओं का पसंदीदा स्थान है। यहाँ ऐतिहासिक 'हनुमान मंदिर' और प्रसिद्ध 'बंगला साहब गुरुद्वारा' भी दर्शनीय हैं।

कनॉट -प्लेस में स्थित खादी-ग्रामोद्योग भवन में खादी से बने खूबसूरत कपड़े मिलते हैं। यहाँ कुटीर उद्योग का सामान भी मिलता है। कनॉट प्लेस का 'इनरसर्कल' और 'पालिका बाज़ार शॉपिंग के लिए बेहतर विकल्प हैं। यहाँ दुनिया के बड़े-बड़े ब्रांड भी मिल जाएँगे। जनपथ स्थित मिनी मार्किट में कम कीमत में बेहतर शॉपिंग की जा सकती है। मुगलई और नॉनवेज खाने के शौकीनों के लिए 'काके दा होटल' अच्छा विकल्प है। साउथ इंडियन खाने के शौकीनों के लिए 'सरवन भवन' पर हर प्रकार के डोसे उपलब्ध हैं। बाबा खड़ग सिंह मार्ग पर स्थित 'कॉफी होम' पर कॉफी पीना न भूलें। 'स्ट्रीट फूड' के शौकीन पालिका बाज़ार का जायका ले सकते हैं। जबकि एक से एक 'क्वालिटी रेस्टोरेंट' भी यहाँ उपलब्ध हैं।

सम्मेलन स्थल : विज्ञान-भवन का परिचय

नई दिल्ली में मौलाना आज़ाद रोड पर स्थित यह एक सरकारी इमारत है। सन् 1956 में बनी यह इमारत राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिये प्रयोग में लायी जाती है। यह दिल्ली के बेहतरीन, अत्याधुनिक तथा नवीनतम उपकरणों व तकनीक से युक्त है। यह पूर्णतः वातानुकूलित है। इसके निकटवर्ती मेट्रो स्टेशन सेंट्रल सेक्रेटेरियट तथा उद्योग भवन हैं। यहाँ दृश्य-श्रव्य रिकॉर्डिंग की सुविधा के लिए स्टूडियो उपलब्ध है। इसमें सभी प्रमुख बिंदुओं पर सी.सी.टी.वी. की व्यवस्था है। इसमें लगभग 1200 लोगों के बैठने की सुविधा है। विज्ञान भवन में कॉमनवेल्थ मीटिंग, नॉन एलाइण्ड मूवमेण्ट और सार्क समिट्स जैसे कई महत्वपूर्ण आयोजन भारत सरकार द्वारा आयोजित किये जा चुके हैं। भारत सरकार का शहरी विकास मंत्रालय इसकी पूरी देखरेख व अनुरक्षण करता है। इस इमारत में वे सभी आयोजन सम्पन्न होते हैं जिनमें भारत के राष्ट्रपति अथवा प्रधान मन्त्री उपस्थित हों। इसके अलावा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार व हिन्दी दिवस जैसे सरकारी आयोजन भी यहीं होते हैं। समानांतर सत्र संचालन के लिए उचित व्यवस्था है। इसमें ऐसे अनेक कक्ष हैं जहाँ बैठक की जा सकती है। ध्वनि, प्रकाश, चित्र व्यवस्था के लिए अनुकूल सुविधाएँ विद्यमान हैं। जलपान एवं भोजन सत्र के लिए स्वतंत्र 'जलपान स्थल' उपलब्ध हैं। अत्यधिक सुंदर, भव्य, आकर्षक, नवीनतम, तकनीकीयुक्त विज्ञान-भवन का यह सभागार बौद्धिक एवं शिक्षित वर्ग के लिए आकर्षण तथा जिज्ञासा का केंद्र है।

इंडिया गेट

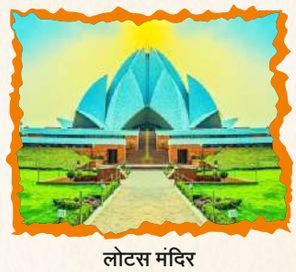
लोटस मंदिर

संसद भवन

विज्ञान भवन

विश्व हिंदी परिषद द्वारा कार्यक्रमों की एक झलक

हिंदी दिवस समारोह 2016 की अध्यक्षता करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता माननीय मुरली मनोहर जोशी जी, मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री किरण रिजीजु जी एवं माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे जी, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद सांसद श्री अरुण कुमार जी

विश्व हिंदी दिवस समारोह 2017 की अध्यक्षता करते हुए हरियाणा के महामहिम राज्यपाल श्रीमान कप्तान सिंह सोलंकी जी, मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय के सचिव श्री प्रभाष झा जी एवं माननीय सांसदगण, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद एनएचपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री के एन सिंह जी

विश्व हिंदी परिषद द्वारा कार्यक्रमों की एक झलक

हिंदी दिवस समारोह 2017 की अध्यक्षता करते हुए हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय श्री शांता कुमार जी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद माननीय गृह राज्यमंत्री श्री हंसराज अहीर जी, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजद श्री आर के सिन्हा जी, पद्मश्री संस्कार भारती के राष्ट्र अधिकारी दयाप्रकाश सिन्हा जी एवं एनबीसीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार गुप्ता जी

विश्व हिंदी दिवस समारोह 2018 की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ अधिकारी श्री इंद्रेश कुमार जी, मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद श्री अश्विनी कुमार चौबे, केंद्रीय राज्यमंत्री भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा जी एवं मौजूद सांसदगण एवं संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य डॉ. मार्कण्डेय राय जी

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजन समिति 2023

मुख्य संरक्षक

परम पूज्य स्वामी चिदानंद जी महाराज, अध्यक्ष, परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश
श्री इंद्रेश कुमार, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
श्री रामचंद्र जांगड़ा, संयोजक, संसदीय राजभाषा पहली उपसमिति एवं सांसद- राज्यसभा

संरक्षक

श्री जे. वी. नड्डा, निदेशक, शैक्षिक संचार संकाय, भारत सरकार
श्री उमेश शर्मा, प्रख्यात समाजसेवी
श्रीमती रश्मि सलूजा, प्रख्यात समाजसेवी

मार्गदर्शक

श्री विजय कुमार तोमर - सांसद - राज्यसभा
डॉ. डी. पी. वत्स, सांसद- राज्यसभा
श्री जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, सांसद- लोकसभा, महराजगंज
डॉ. मनोज राजोरिया, सांसद- लोकसभा
श्रीमती रंजनबेन धनंजय भट्ट, सांसद- लोकसभा
श्री अशोक कुमार यादव, सांसद- लोकसभा
श्री सुशील कुमार सिंह, सांसद- लोकसभा

कार्यकारिणी समिति

डॉ. विनय भारद्वाज, अध्यक्ष विश्व हिंदी परिषद
श्री डी पी मिश्र, उपाध्यक्ष (सलाहकार, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय भारत सरकार)
प्रो. भरत सिंह उपाध्यक्ष (मगध विश्वविध्यालय बोधगया)
प्रो. मंजु राय - क्षेत्रीय निर्देशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान
श्री हीरावल्लभ शर्मा, सलाहकार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय
प्रो. (डॉ) सच्चिदानंद जोशी, सचिव इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र
प्रो. ए. के. भागी, डूटा अध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
प्रो. वी. एस. नेगी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
प्रो.सत्यकेतु सांकृत, डीन डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली
प्रो. मनोज कुमार खन्ना, प्राचार्य, रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय,दिल्ली
प्रो. (डॉ.) पी राजरत्नम, प्रमुख, हिंदी विभाग, तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय
प्रो. ब्रह्मानंद पांडेय, पूर्व प्राचार्य, वाणिज्य महाविद्यालय, पटना
प्रो. संध्या वात्स्यायन, अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
प्रो. (डॉ.) पूनम कुमारी, एस.बी.कॉलेज, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा
प्रो. परम प्रकाश राय, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
डॉ. शकुंतला सारूपुरियाँ, राष्ट्रीय समन्वयक, विश्व हिंदी परिषद
डॉ. श्रवण कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
डॉ. रवि कुमार, तेलंगाना प्रभारी, विश्व हिंदी परिषद
डॉ. बीना बुदकी, महाराष्ट्र प्रभारी, विश्व हिंदी परिषद
डॉ. कंचन शर्मा, हिंदी शिक्षिका, गुलगरिया, मणिपुर
डॉ. मनीष कुमार चौधरी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
डॉ. अम्बे कुमारी, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
श्री शैलेश वत्स, सचिव – पंचमधाम न्यास
डॉ. सुशील कुमार सिंह, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
डॉ. महेंद्र कुमार उपाध्याय, जगद्गुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय, चित्रकूट
श्री रमा शंकर शुक्ल, अधिवक्ता,गोरखपुर

परामर्श मंडल

प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल, कुलपति- महात्मा गांधी विश्वविध्यालय, वर्धा
प्रो. बलदेव शर्मा, कुलपति - कुशभुआ ठाकरे विश्वविध्यालय
प्रो. टीवी कट्टीमनी, कुलपति, केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय,आंध्र प्रदेश
प्रो. गंगा प्रसाद परसाई, कुलपति - त्रिपुरा विश्वविध्यालय
प्रो. के एन सिंह, कुलपति- साउथ बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय
श्री तपन कुमार शांडिल्य, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची

अंतरराष्ट्रीय समन्वय समिति

डॉ. अर्चना पंड्या,अंतरराष्ट्रीय संयोजिका- विश्व हिंदी परिषद (अमेरिका)
डॉ. शिप्रा शिल्पी अंतरराष्ट्रीय सह संयोजिका विश्व हिंदी परिषद (जर्मनी)
डॉ. रमा शर्मा (जापान)
डॉ. के के झा (मॉरीशस)
डॉ. अल्का भटनागर (अमेरिका)
डॉ. अल्का धनपत (मॉरीशस)
डॉ. चिरौद्दीन (ताशकंद)
डॉ. नधिरा शिवंती (श्रीलंका)
डॉ. रजेश्वरी शर्मा,उत्तर (अफ़्रीका)
डॉ. अर्चना शर्मा पेन्यूलि (डेनमार्क)
डॉ. तेजेंद्र शर्मा (लंदन)
डॉ. प्राची शर्मा रंधावा (कनाडा)

सम्मेलन समन्वयक

प्रो. श्रीनिवास त्यागी, दिल्ली विश्वविद्यालय

सम्मेलन संयोजक

डॉ. बिपिन कुमार, महासचिव, विश्व हिंदी परिषद

सम्मेलन संबंधी नवीन सूचनाओं के लिए कृपया विश्व हिन्दी परिषद की वेबसाइट www.vishwahindiparishad.org निरन्तर देखते रहें।

पंजीकरण आवेदन पत्र और प्रपत्र की मौलिकता के प्रारुप तथा आवास सुविधा हेतु निर्धारित प्रारूप
विश्व हिंदी परिषद की वेबसाइट से प्राप्त किए जा सकते हैं।

किसी भी प्रकार की अतिरिक्त जानकारी हेतु सम्पर्क करें : 011-35940037, 8586016348, 8130035351